ओ३म्

पातञ्जल योगदर्शन

व्यासभाष्य एवं भोजवृत्ति सहित

व्याख्याकार

सतीश आर्य

ओ३म्

पातञ्जल-योगदर्शन

(व्यासभाष्य एवं भोजवृत्ति सहित)

"वैदिकयोगमीमांसा" भाष्य सहित

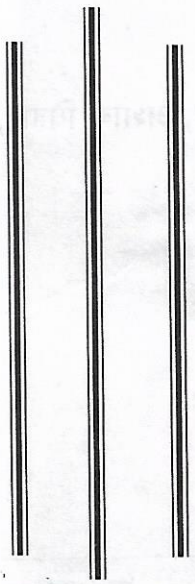

University Department of Yoga RU
No/PGDYI 270
Library

— व्याख्याकार —

सतीश आर्य

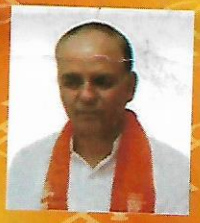

लेखक परिचय

जन्म	:	१७ मार्च, १९६०; मुरादाबाद, उत्तरप्रदेश
माता	:	श्रीमती शान्ती देवी
पिता	:	श्री गोपाल दास
शिक्षा	:	वाणिज्य स्नातक
		लागत एवं प्रबन्धन लेखाकार (ACMA)
		ज्योतिष आचार्य तथा वास्तुशास्त्र का अध्ययन।
आध्यात्मिक शिक्षा	:	१२-१३ वर्ष की आयु में ही महाभारत, भागवत, गीता, रामचरितमानस का पारायण।
		योगेश्वर श्रीकृष्ण के जीवन से प्रभावित होकर वेद और योग में रुचि। १९७८ में आर्यसमाज रूपी सैद्धान्तिक संस्था में प्रवेश तथा वेद, वैदिक साहित्य का अध्ययन।
कार्य	:	-वेद विश्वायतन तथा वेद योग चैरीटेबल ट्रस्ट की स्थापना।
		-वेद एवं वैदिक साहित्य के नि:शुल्क प्रचारार्थ www.ved-yog.com वेबसाईट का निर्माण एवं संचालन।
		-आर्य समाज के साप्ताहिक सत्संगों में उपदेश/प्रवचन।
वेबसाईट	:	www.ved-yog.com
अन्य प्रकाशित ग्रन्थ	:	कर्म एवं कर्मफल मीमांसा
		वैदिक धर्म ग्रन्थ परिचय
		परमात्म-साक्षात्कार कैसा?
		Patanjal Yoga Darshan (Philosophy of Yoga) (योगदर्शन का अंग्रेजी अनुवाद)
अन्य प्रकाशित लेख:		उपनिषदों में ब्रह्मविद्या, वाल्मीकि के राम, गीतासार, वैदिक देवता, ऋषि आदि का निर्णय।

वेद योग चैरीटेबल ट्रस्ट

१५, पाकेट-१, पश्चिम पुरी, नई दिल्ली ११००६३

ISBN 81-921104-1-9

9 788192 110417